सरदार सरोवर जलाशय की विभिन्न सहकारी समितियों के पालक किसान शेलकड़ा, नादुरबार में भा कृ अनु प–के मा शि सं, मुंबई द्वारा केज पालन के लिए जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सरदार सरोवर जलाशय के मत्स्य किसानों के लिए केज कल्चर पर **भा कृ अनु प–के मा शि सं ,मुंबई** के जलकृषि विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग, नंदुरबार के सहयोग से जनजातीय उपयोजना के तहत 14 मार्च, 2024 को नंदुरबार जिले (आकांक्षी जिला) के शेलकड़ा गांव में ने जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर तथा संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। नंदुरबार जिले के शेलकडा, आटी, सावर्या दीघर, खारडी और चिचकेडी के विभिन्न आदिवासी गांवों के 174 किसानों ने पिंजरे की खेती पर प्रशिक्षण में भाग लिया। कुल 720 किलोग्राम तैरती हुई मछली का चारा छह अलग-अलग सहकारी समितियों को वितरित किया गया, जो पंगेशियस मछली की पिंजरे की खेती में सक्रिय रूप से शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में, डॉ. कपिल सुखधाने ने पिंजरे की खेती जैसे नर्सरी पालन, ग्रो-आउट कल्चर, पंगास मछली की फ़ीड और फीडिंग रणनीतियों, जल गुणवत्ता प्रबंधन के महत्व, जाल की सफाई, पिंजरे की खेती में रोग प्रबंधन आदि पर वैज्ञानिक चर्चा की। इस जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए श्री किरण पाडवी,मत्स्य पालन विभाग, महाराष्ट्र के सहायक आयुक्त को विशेष रूप से धन्यवाद जिन्होंने ने जिले के आदिवासी किसानों के लिए ऐसी पहल की । प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के जलकृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा, वैज्ञानिक डॉ. कपिल सुखदाने और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुखम मुनील कुमार द्वारा किया गया।